कार्यालय प्राचार्य, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक: 3007/अधिसूचना/2022 अम्बिकापुर, दिनांक : 03/12/2022

–:: अधिसूचना ::–

महाविद्यालय के सभा कक्ष में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वशासी मार्गदर्शिका द्वारा गठित महाविद्यालय विद्यापरिषद की बैठक दिनांक 23.11.2022 में NEP 2020 एवं यूजीसी के दिनांक 12.03.2022 के उल्लिखित प्रावधानानुसार 04 वर्षीय शोध ऑनर्स स्नातक(Four Years Undergraduate Honurs With Research) उपाधि के संबंध में सर्वसम्मति से लिये गये निर्णयों को एतद् द्वारा निम्नानुसार अधिनियमित एवं अधिसूचित किया जाता है।

उक्त चार वर्षीय (आठ सेमेस्टर) पाठ्यक्रम की रूप–रेखा इस प्रकार है:–

01. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में तीन–तीन Discipline Specific Core (DSC), एक–एक Generic Elective (GE) बास्केट से चुनाव करना है, एक–एक Ability Enhancement Course (AEC) एक–एक Skill Enhancement Course (SEC) एवं एक–एक Value Addition Course (VAC) वास्केट से चुनाव कर संचालित होंगें। AEC में चार प्रश्न–पत्र – Communication skill in Hindi, Communication skill in English, Environmental Studies – I, Environmental Studies – II, इनका अध्यापन प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में पूर्ण किया जाएगा।
02. तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में तीन–तीन Discipline Specific Core (DSC), एक–एक Discipline Elective Course (DSE) अथवा एक–एक Generic Elective (GE), एक–एक Ability Enhancement Course (AEC), एक–एक Skill Enhancement Course (SEC) एवं एक–एक Value Addition Course (VAC) बास्केट से चुनाव कर संचालित होंगे।
03. पॉचवे एवं छठवे सेमेस्टर में तीन–तीन Discipline specific Core Course (DSC), एक–एक Discipline Elective Course (DSE), एक–एक Generic Elective (GE) एवं एक–एक Skill Enhancement Course (SEC) संचालित होंगे।
04. सातवें एवं आठवें सेमेस्टर में तीन–तीन Discipline Specific Core Course (DSC) तीन–तीन Discipline Elective Course (DSE) या दो–दो DSE से एवं एक–एक GE से या तीन–तीन GE से तथा लघुशोध (Dissertation) संचालित होंगे।
05. सातवें सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता केवल उन्हीं छात्रों को होगी जिन्होंने सम्पूर्ण छः सेमेस्टर (तीन वर्ष) के समेकित प्राप्तांक/CGPA 7.5 प्राप्त किया हो। इससे कम CGPA प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को तीन वर्षीय उपाधि प्रदान की जाएगी।

उपरोक्त खण्ड 01 से 05 तक के पाठ्यक्रम अधिसूचना के साथ संलग्न, संलग्नक सूची 01 के अनुसार संचालित होंगे।

06. **प्रमाण पत्र एवं उपाधि योजना** – (अ) छात्र द्वारा दो सेमेस्टर (एक वर्ष) का पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर संबंधित विषय में प्रमाण पत्र **(सर्टिफिकेट)** प्रदान किया जायेगा।

(ब) चार सेमेस्टर (दो वर्ष) का पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर संबंधित विषय में **डिप्लोमा** की उपाधि प्रदान की जायेगी।

(स) छः सेमेस्टर (तीन वर्ष) का पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर संबंधित छात्र को **स्नातक** की उपाधि प्रदान की जायेगी।

क्रमशः.....02

(द) आठः सेमेस्टर (चार वर्ष) का पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर संबंधित विषय में **शोध सहित ऑनर्स डिग्री (स्नातक)** की उपाधि प्रदान की जायेगी।

07. **एन.सी.सी.एवं विधि विषय प्रारंभ किया जाना** – सत्र 2022–23 में प्रथम सेमेस्टर में, एन.सी.सी. प्रथम वर्ष में प्रवेशित छात्र Generic Elective Paper (ऐच्छिक) प्रश्न पत्र के रूप में 'एन.सी.सी.' एवं कला एवं समाज विज्ञान संकाय में Generic Elective Paper (ऐच्छिक) प्रश्न पत्र के रूप में विधि विषय का चयन कर सकेंगे ।

08. यू.जी.सी के मूक (MOOCS) एवं SWYAM Elective पर उपलब्ध पाठ्यक्रम का चयन– समस्त विषयों में यू.जी.सी के मूक (MOOCS) एवं SWYAM पर उपलब्ध पाठ्यक्रम का विषय एवं प्रश्न–पत्र की इकाई एवं क्रेडिट का मिलान कर छात्रों को ऑनलाईन पोर्टल से अध्ययन करने की सुविधा होगी तथा प्रश्न–पत्र के उस इकाई/इकाइयों का अध्यापन कक्षा में नहीं कराया जायेगा अपितु छात्र अध्ययन कर पोर्टल से प्राप्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा, जिसके आधार पर छात्र को क्रेडिट प्रदान की जायेगी।

09. **(a) गैर प्रायोगिक, सैद्धांतिक विषयों हेतु आंतरिक मूल्यांकन**– सैद्धांतिक विषयों के सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में 80 अंक सेमेस्टर परीक्षा के और 20 अंक आन्तरिक मूल्यांकन के होंगे। नवीन सेमेस्टर सिस्टम में तीन स्तरीय आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक–20 अंक का होगा, जिसमें टेस्ट–07 अंक, सेमीनार–06 अंक एवं Assignment–07 अंक होंगे। टेस्ट की संख्या – 2 होगी जिसमें प्रथम टेस्ट में 1.5 अंक के 2 प्रश्न (2 x 1.5= 3 अंक) 70 – 100 शब्द सीमा वाले अतिलघूत्तरी प्रश्न के रूप में होगें एवं 4 अंक का एक लघूत्तरी प्रश्न (4x 1=4 अंक), शब्द सीमा 200–250, निर्धारित 40 मिनट के पीरियड में सम्पन्न होगा। दूसरा टेस्ट वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होगा।

Assignment– त्रिस्तरीय प्रश्न योजना के रूप में होगा। जिसमें अतिलघूत्तरी प्रश्न 0.5 अंक के 02 प्रश्न(0.5 x 2=1 अंक) शब्द सीमा 70 – 100, लघूत्तरी प्रश्न 01 अंक के 02 प्रश्न (1 x 2=2 अंक) शब्द सीमा 200–250, दीर्घोत्तरी प्रश्न 2 अंक के 02 प्रश्न(2 x 2=4अंक) शब्द सीमा 500–600 निर्धारित होगी।

(b) प्रायोगिक विषयों हेतु आंतरिक मूल्यांकन– प्रायोगिक विषयों के सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में 60 अंक का सेमेस्टर परीक्षा, आंतरिक मूल्यांकन 15 अंक का तथा प्रायोगिक प्रश्न–पत्र –25 अंक का होगा। जिसमें टेस्ट–05 अंक, सेमीनार–05 अंक एवं Assignment–05 अंक का होगा। टेस्ट की संख्या – 2 होगी। जिसमें प्रथम टेस्ट में 01 अंक के 2 प्रश्न (01 x 2=2अंक) 70 – 100 शब्द सीमा वाले लघूत्तरी एवं 3 अंक का एक दीर्घोत्तरी(1 x 3=3 अंक), शब्द सीमा 200–250 निर्धारित प्रश्न 40 मिनट के पीरियड में सम्पन्न होगा। दूसरा टेस्ट वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होगा।

Assignment– प्रायोगिक विषयों के सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में Assignment त्रिस्तरीय प्रश्न योजना के रूप में होगा,। जिसमें अति लघूत्तरी प्रश्न 0.25 अंक के 02 प्रश्न(0.25 x 2=0.5 अंक) शब्द सीमा 70 – 100, लघूत्तरी प्रश्न 0.75 अंक के 02 प्रश्न (0.75 x 2=1.5 अंक) शब्द सीमा 200–250, दीर्घोत्तरी प्रश्न 1.5 अंक के 02 प्रश्न (1.5 x 2=3 अंक) शब्द सीमा 500–600 निर्धारित होगी ।

(c) AEC, SEC और VAC गैर प्रायोगिक सैद्धांतिक विषयों हेतु आंतरिक मूल्यांकन–
सैद्धांतिक विषयों हेतु सेमेस्टर परीक्षा 40 अंक एवं तीन स्तरीय आन्तरिक मूल्यांकन पूर्णांक 10 अंक का होगा, जिसमें टेस्ट–04 अंक,

क्रमशः.....03

सेमीनार–03 अंक एवं Assignment – 03 अंकों के होंगे। टेस्ट की संख्या –02 होगी, जिसमें प्रथम टेस्ट में 1 अंक के 2 प्रश्न (2x1=2 अंक) एवं 02 अंक का एक लघूत्तरी प्रश्न (2x1=2) शब्द सीमा (200–250) निर्धारित होगी। दूसरा टेस्ट वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होगा।

Assignment – त्रिस्तरीय प्रश्न योजना के रूप में होगा। जिसमें लघूत्तरी 0.5 अंक के 02 प्रश्न(0.5 x 2=1 अंक) शब्द सीमा 70 – 100, लघूत्तरी 0.75 अंक के 01 प्रश्न (0.75 x 1=0.75 अंक) शब्द सीमा 200–250, दीर्घोत्तरी प्रश्न 1.25 अंक के 01 प्रश्न (1.25 x 1=1.25 अंक) शब्द सीमा 500–600 निर्धारित होगी।

(d) AEC, SEC और VAC प्रायोगिक विषयों हेतु आंतरिक मूल्यांकन – प्रायोगिक विषयों के सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में सेमेस्टर परीक्षा – 30 अंक, आंतरिक मूल्यांकन 08 अंक तथा प्रायोगिक प्रश्न–पत्र – 12 अंक के होंगे। जिसमें टेस्ट–03 अंक, सेमीनार–02 अंक एवं Assignment–03 अंक का होगा। टेस्ट की संख्या – 2 होगी जिसमें 0.75 अंक के 2 प्रश्न (0.75 x 2=1.5 अंक) 70 – 100 शब्द सीमा वाले लघूत्तरी एवं 1.5 अंक का एक दीर्घोत्तरी (1.5 x 1=1.5 अंक), शब्द सीमा 200–250 निर्धारित होगी । दूसरा टेस्ट वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होगा।

Assignment – त्रिस्तरीय प्रश्न योजना के रूप में होगा जिसमें लघूत्तरी 0.5 अंक के 02 प्रश्न(0.5 x 2=1 अंक) शब्द सीमा 70 – 100, लघूत्तरी 0.75 अंक के 01 प्रश्न (0.75 x 1=0.75 अंक) शब्द सीमा 200–250, दीर्घोत्तरी प्रश्न 1.25 अंक के 01 प्रश्न (1.25 x 1=1.25 अंक) शब्द सीमा 500–600 निर्धारित होगी।

10. **Seminar** – Paper presenation और Paper जमा करना।

11. **(a) गैर प्रायोगिक विषयों की सेमेस्टर परीक्षा**– कुल 80 अंक की चार स्तरीय प्रश्न योजना समस्त सेमेस्टर कक्षाओं में निर्धारित है जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 अंक के 08 प्रश्न (1x08=08), अति लघूत्तरी प्रश्न 04 अंक के 03 प्रश्न (4 x 3 = 12 अंक) शब्द सीमा 70–100 शब्द, लघूत्तरी प्रश्न 07 अंक के 03 प्रश्न (3 x 7 =21 अंक) शब्द सीमा 200– 250 शब्द, तथा दीर्घोत्तरी प्रश्न 13 अंक के 03 प्रश्न (3 x 13= 39 अंक) 500–600 शब्द सीमा के रूप में होगा। सभी प्रश्न योजना आंतरिक विकल्प के साथ होगा।

सेमेस्टर परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक आंतरिक मूल्यांकन एवं सेमेस्टर परीक्षा दोनो को मिलाकर कुल 40 अंक प्राप्त करना होगा ।

(b) प्रायोगिक विषयों के सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में कुल 60 अंक की चार स्तरीय प्रश्न योजना निर्धारित है। जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 अंक के 09 प्रश्न (1x9=09), अति लघूत्तरी प्रश्न 03 अंक के 03 प्रश्न (3 x 3 = 09 अंक) शब्द सीमा 70–100 शब्द, लघूत्तरी प्रश्न 05 अंक के 03 प्रश्न(5 x 3 = 15 अंक) शब्द सीमा 200 – 250 शब्द, दीर्घोत्तरी प्रश्न 09 अंक के 03 प्रश्न (9 x 3 = 27 अंक) 500–600 शब्द सीमा। सभी प्रश्न योजना आंतरिक विकल्प के साथ होगी एवं प्रायोगिक विषयों के सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में हेतु सेमेस्टर परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक आंतरिक मूल्यांकन एवं सेमेस्टर परीक्षा दोनों को मिलाकर कुल 30 अंक प्राप्त करना होगा ।

(c) AEC, SEC और VAC गैर प्रायोगिक सैद्धांतिक विषयों हेतु सेमेस्टर परीक्षा – सेमेस्टर परीक्षा कुल 40 अंक की चार स्तरीय प्रश्न योजना समस्त सेमेस्टर कक्षाओं में निर्धारित है जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 अंक के 07

क्रमशः.....04

प्रश्न (1x07=07), अति लघूत्तरी प्रश्न 02 अंक के 03 प्रश्न (2 x 3 = 06 अंक) शब्द सीमा 70–100 शब्द, लघूत्तरी प्रश्न 04 अंक के 03 प्रश्न (4 x 3 =12 अंक) शब्द सीमा 200– 250 शब्द तथा दीर्घोत्तरी प्रश्न 05 अंक के 03 प्रश्न (05 x 03= 15 अंक) 500–600 शब्द सीमा के रूप में होगा। सभी प्रश्न योजना आंतरिक विकल्प के साथ होगा।

सेमेस्टर परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक आंतरिक मूल्यांकन एवं सेमेस्टर परीक्षा दोनो को मिलाकर कुल 20 अंक प्राप्त करना होगा ।

(d) AEC, SEC और VAC प्रायोगिक सैद्धांतिक विषयों हेतु सेमेस्टर परीक्षा –

प्रायोगिक विषयों के सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में कुल 30 अंक की चार स्तरीय प्रश्न योजना निर्धारित है। जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 अंक के 06 प्रश्न (1x6=06), अति लघूत्तरी प्रश्न 01 अंक के 03 प्रश्न (1 x 3 = 03 अंक) शब्द सीमा 70–100 शब्द, लघूत्तरी प्रश्न 02 अंक के 03 प्रश्न(2 x 3 = 6 अंक) शब्द सीमा 200 – 250 शब्द, दीर्घोत्तरी प्रश्न 05 अंक के 03 प्रश्न (5 x 3 = 15 अंक) 500–600 शब्द सीमा। सभी प्रश्न योजना आंतरिक विकल्प के साथ होगी एवं प्रायोगिक विषयों के सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में हेतु सेमेस्टर परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक आंतरिक मूल्यांकन सहित सेमेस्टर परीक्षा कुल 20 अंक प्रत्येक प्रश्न–पत्र में उत्तीर्ण होने हेतु प्राप्त करना होगा ।

12. यदि किसी छात्र ने एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं क्रीड़ा में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है और उसने इकाई टेस्ट परीक्षा में एक टेस्ट परीक्षा दी है, तो छोड़े गये टेस्ट में दिये गये टेस्ट के अर्जित अंक के बराबर अंक प्रदान किया जाएगा, किन्तु यदि उसने किसी प्रश्न–पत्र में दो में से एक भी टेस्ट नहीं दिया हो तो उस छात्र का उस प्रश्न–पत्र में एक इकाई की टेस्ट परीक्षा आयोजित की जायेगी। महाविद्यालय के एन.सी.सी., एन.एस.एस., क्रीड़ा में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र के अतिरिक्त किसी भी परिस्थिति में इकाई टेस्ट परीक्षा पुनः आयोजित नहीं की जायेगी।

कॉमन कोर कोर्स हिन्दी भाषा एवं अंग्रेजी भाषा के दोनों प्रश्नपत्रों विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रश्न योजना / पृथक से निर्मित प्रश्न योजना लागू होगा।

13. **कृपांक–** सीबीसीएस प्रणाली में पाठ्यक्रम संचालित होने के कारण छात्रों को कृपांक की पात्रता नहीं होगी क्योंकि इस प्रणाली में प्रत्येक प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 प्रतिशत होता है।

14. **आंतरिक मूल्यांकन मॉनिटरिंग समिति का गठन** – प्रत्येक विभाग में आंतरिक मूल्यांकन समिति होगी। विभागाध्यक्ष संयोजक, स्वशासी प्रकोष्ठ से एक सदस्य, विभाग के अन्य शिक्षक सदस्य होंगे परंतु जिस विभाग में कोई भी नियमित शिक्षक पदस्थ नहीं हैं, वहां महाविद्यालय के बाहर के एक विषय शिक्षक को सदस्य मनोनीत किया जायेगा। छात्रों के टेस्ट परीक्षा कॉपी का प्रदर्शन विभाग में किया जायेगा तथा छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन के संबंध में प्राप्त शिकायत का निराकरण अंक पत्रक स्वशासी प्रकोष्ठ को सौपने के पूर्व, आंतरिक मूल्यांकन मॉनिटरिंग समिति द्वारा किया जायेगा ।

15. **पुनर्मूल्यांकन / पुनर्गणना–** अधिकतम दो विषयों / प्रश्न पत्रों में पूनर्मूल्यांकन एवं संबंधित सेमेस्टर के सभी प्रश्न–पत्रों में पुनर्गणना की पात्रता होगी।

16. **छात्र–शिक्षक अभिभावक योजना** – प्रत्येक विभागाध्यक्ष स्नातकोत्तर कक्षाओं के एवं अन्य शिक्षक अपने संकाय के स्नातक कक्षाओं के अभिभावक होंगे, जो छात्रों के वैल्यू ऐडेड कोर्स, इंटर्नशिप, छात्रों के माता–पिता के साथ बैठक का आयोजन, छात्रों के नौकरी में आने सम्बंधी समस्त जानकारी का संकलन करेंगे। प्रथम वर्ष के नियमित छात्रों से पर्यावरण में 25 रू. शुल्क लिया जाएगा, जिससे

क्रमशः.....05

शिक्षक को पर्यावरण के प्रोजेक्ट वर्क/ फील्ड वर्क हेतु मार्गदर्शन एवं मूल्यांकन कार्य हेतु 20 रू. पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा। शेष 5 रूपये का भुगतान स्वशासी प्रकोष्ठ के नियंत्रकों एवं कार्यालयीन स्टॉफ को किया जायेगा।

17. **परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु पात्रता–**

a. सेमेस्टर कक्षाओं में 75% उपस्थिति अनिवार्य होगा।

b. द्वितीय सेमेस्टर की पात्रता–ऐसे विद्यार्थी जो प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में सम्मिलित हुआ हो, को तत्काल बाद 02 विषय में बैक के साथ द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययन एवं परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता होगी।

c. तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता– विद्यार्थी को प्रथम सेमेस्टर में 02 से अधिक विषयों/ प्रश्न–पत्र में बैक नहीं होना चाहिए एवं द्वितीय सेमेस्टर में भी दो से अधिक विषयों/प्रश्न–पत्रों में बैक नहीं होना चाहिए।

d. चतुर्थ सेमेस्टर में परीक्षा की पात्रता– चतुर्थ सेमेस्टर में परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु विद्यार्थी को प्रथम सेमेस्टर के सभी विषयों में उत्तीर्ण होना चाहिए तथा द्वितीय सेमेस्टर में 02 एवं तृतीय सेमेस्टर में दो से अधिक विषयों/प्रश्न–पत्रों में बैक नहीं होना चाहिए।

e. पंचम सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता– पंचम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के सभी विषयों में उत्तीर्ण होना चाहिए एवं तृतीय सेमेस्टर में 02 तथा चतुर्थ सेमेस्टर में 02 से अधिक विषयों/ प्रश्न पत्रों में बैक नहीं होना चाहिए।

f. षष्ठम् सेमेस्टर में परीक्षा की पात्रता– षष्ठम सेमेस्टर में परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु विद्यार्थी को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में उत्तीर्ण होना चाहिए। साथ ही चतुर्थ सेमेस्टर में 02 एवं पंचम सेमेस्टर में 02 से अधिक विषयों/प्रश्न–पत्रों में बैक नही होना चाहिए।

g. सम सेमेस्टर के बैक की परीक्षा सम सेमेस्टर में एवं विषम सेमेस्टर के बैक की परीक्षा विषम सेमेस्टर में आयोजित होंगी।

h. यदि कोई विद्यार्थी सभी सेमेस्टर में उत्तीर्ण है एवं केवल पंचम सेमेस्टर में एक विषय/प्रश्न पत्र में बैक है तो ऐसी स्थिति में छात्र को षष्ठम सेमेस्टर की परीक्षा के साथ पंचम सेमेस्टर की उक्त विषय/ प्रश्न पत्रों की बैक परीक्षा देने का अवसर प्रदान किया जायेगा।

i. सप्तम सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता–षष्ठम सेमेस्टर तक में कुल 7.5 CGPA के साथ सभी विषयों/ प्रश्न–पत्रों में उत्तीर्ण छात्र सप्तम सेमेस्टर में प्रवेश पा सकेंगे।

j. अष्टम सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता–सप्तम सेमेस्टर में अधिकतम 02 विषयों में बैक के साथ अष्टम सेमेस्टर में प्रवेश एवं परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता होगी। सप्तम सेमेस्टर के बैक की परीक्षा अष्टम सेमेस्टर की परीक्षा के साथ होगी।

k. अष्टम सेमेस्टर की परीक्षा के तत्काल पश्चात एक विशेष परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अष्टम सेमेस्टर के अधिकतम 02 प्रश्न–पत्र/ पेपर में बैक होने वाले को अवसर दिया जाएगा।

l. सप्तम सेमेस्टर अर्थात चौथे वर्ष के प्रारंभ में ही छात्रों को निर्धारित सीट अनुसार ऑनर्स विषय चयन करने हेतु निर्देशित किया जाएगा। अष्टम सेमेस्टर सफलता पूर्वक पूर्ण करने वाले छात्रों को उनके चयनित विषय में आनर्स की डिग्री प्रदान की जाएगी।

क्रमशः.....06

m. यदि कोई छात्र अपने बैक पेपर की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता, तो उसे संबन्धित सेमेस्टर में अनुत्तीर्ण घोषित कर रोक दिया जाएगा और उसे उपयुक्त आगामी परीक्षा में भूतपूर्व छात्र के रूप में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण होने के अवसर प्रदान किया जाएगा।

n. बैक पेपर की गणना में प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक दोनों प्रश्न–पत्रों को सम्मिलित किया जाएगा। अंकसूची में ग्रेडिंग के साथ प्राप्तांक प्रतिशत अंकित किया जाएगा।

18. स्नातकोत्तर एवं स्नातक अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा के बाद तीन छात्रों की प्रावीण्य सूची जारी की जाएगी, जिसमे न्यूनतम 60% अंक प्राप्त करने वाले छात्र शामिल रहेंगे। जिस किसी कक्षा/सेमेस्टर में 60% से कम अंक प्राप्त करने वाले छात्र रहेंगे उस कक्षा/सेमेस्टर की प्रावीण्य सूची जारी नही की जाएगी।

19. **इंटर्नशीप प्रशिक्षण/अप्रेंटीशीप/प्रोजेक्ट/कॉम्युनिटी आउटरिच–** छात्र को अपने पाठ्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर से छठवें सेमेस्टर के बीच इंटर्नशिप प्रशिक्षण/अप्रेंटीशिप/प्रोजेक्ट/कॉम्युनिटी आउटरिच में से किसी एक को चयन कर पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

20. **छात्र/छात्राओं को क्रेडिट अंक प्रदान किया जाना–** प्रथम सेमेस्टर से समस्त छात्र/छात्राओं को प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 15 पीरियड/15 कार्य दिवस की कक्षा में उपस्थिति हेतु एक क्रेडिट अंक प्रदान किया जायेगा। प्रायोगिक प्रश्न–पत्रों में प्रत्येक 30 पीरियड हेतु एक क्रेडिट प्रदान किया जायेगा। इस तरह पाठयक्रम में प्रदर्शित अधिकतम (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक) क्रेडिट अंक का 75 प्रतिशत क्रेडिट (अंक 4.5) अनिवार्यतः अर्जित करने होंगे। प्रत्येक सैद्धांतिक पेपर में NEP 2020 के अनुसार प्रैक्टिकम (Practicum) आयोजित होगें। जिसका एक क्रेडिट 15 धंटे का होगा। प्रैक्टिकम (शिक्षण पद्धति) के अंतर्गत– पीयर टिचिंग, क्विज, कक्षा सेमिनार, फिल्ड विजिट के रूप में होगा।

21 **क्रेडिट बैंक–** छात्रों हेतु NEP 2020 के अनुसार क्रेडिट बैंक स्थापित किया जायेगा जिसके अंतर्गत पाठ्यक्रम में प्रत्येक सेमेस्टर में अर्जित किये गये क्रेडिट अंक बैंक में जमा रहेंगे जो आवश्यकतानुसार (Transfer) स्थानांतरण एवं विमोचित (Redeem) किया जा सकेगा। प्रत्येक छात्र के पूर्ण किये गये पाठ्यक्रमों के क्रेडिट बैंक के रूप में जमा रहेगें।

22. **मल्टीपल इन्ट्री और मल्टीपल एक्सजिट –** इसके अंतर्गत प्रत्येक छात्र को बहुप्रवेश एवं निकासी का अवसर प्राप्त होगा। अर्थात छात्र एक वर्ष का अध्ययन पूर्ण कर, अध्ययन बीच में छोड़कर जा सकता है एवं कुछ समय पश्चात अध्ययन प्रारंभ कर सकता है।

23. **छात्रों द्वारा परीक्षा आवेदन पत्र भरा जाना–** सेमेस्टर परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु छात्रों को परीक्षा आवेदन करना होगा। इसके लिए प्रत्येक सेमेस्टर में न्यूनतम 75% उपस्थिति आवश्यक होगी।

24. **मॉडरेशन बोर्ड–** प्रश्न पत्रों की छपाई पूर्व मॉडरेशन बोर्ड जांच करेंगी कि प्रश्न, अनिवार्य रूप से पाठ्यक्रम के अंदर का हो एवं उसकी भाषा एवं पैटर्न निर्धारित स्वरूप में हो।

उपरोक्त नियमों के अतिरिक्त अन्यथा, अथवा विषम परिस्थिति में संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर के अध्यादेश में निहित प्रावधान लागू किये जा सकेंगे।

S.S.H.

क्रमशः.....07

गैर प्रायोगिक सैद्धान्तिक विषयों हेतु

सेमेस्टर परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	कुल उत्तीर्णांक अंक
अन्तिम प्रश्न पत्र	कुल अंक	टेस्ट	07	40
		सेमिनार	06	
		असाइनमेंट	07	
	80		20	

प्रायोगिक विषयों हेतु

	सैमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन		सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र में कुल उत्तीर्णांक	प्रायोगिक परीक्षा	प्रायोगिक प्रश्न पत्र में उत्तीर्णांक
	सैद्धान्तिक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक			
अन्तिम प्रश्न पत्र	50	टेस्ट	05	30	25	10
		सेमिनार	05			
		असाइनमेंट	05			
			15			

AEC, VAC एवं SEC विषयों हेतु

गैर प्रायोगिक सैद्धान्तिक विषयों हेतु

सेमेस्टर परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	कुल उत्तीर्णांक
अन्तिम प्रश्न पत्र	कुल अंक	टेस्ट	04	20
		सेमिनार	03	
		असाइनमेंट	03	
	40		10	

प्रायोगिक विषयों हेतु

	सैमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन		उत्तीर्णांक	प्रायोगिक परीक्षा	प्रायोगिक प्रश्न पत्र में उत्तीर्णांक
	कुल अंक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक			
अन्तिम प्रश्न पत्र	30	टेस्ट	03	15	12	05
		सेमिनार	02			
		असाइनमेंट	03			
			08			

(डॉ. राजकमल मिश्र)
नियंत्रक, स्वशासी परीक्षाएँ

(डॉ. एस. एस. अग्रवाल)
प्राचार्य
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा, छ.ग.